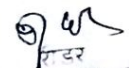


न्याय उपखण्ड अधिकारी एवं उपजिला मजिस्ट्रेट, छबड़ा जिला बारां (राज.)

प्रार्थना पत्र सं.	धारा अंतर्गत	ग्राम	तहसील
23/20	212 RTA	वील रेकडा	राडा
वादी	वाद शीर्षक	प्रतिवादी	
के. लाल कौर	बनाम	मोहन लाल	
वकील :- Akhlesh Sharma Adv	आदेश पत्रक	वकील :-	

कार्यवाही एवं आदेश

दिनांक	कार्यवाही एवं आदेश	विविध संदर्भ
9/6/20	<p>आदिवासी क प्राथी द्वारा प्रो. पर अन्तर्गत धारा 212 RTA विरुद्ध अप्राथीगण के इस अपील में पेश किया गया रिपोर्ट सरिस्ती का अवलोकन किया, वकील प्राथी को एक पक्षीय वृत्त सुना गई पत्रोक्ती का अवलोकन किया गया। अतः ग्राम वील रेकडा को आशुजी रंजिता संख्या 183 ख. नं 54 रकवा 15.10 बीघा भूमि में से प्राथीगण के रिश्ती 3/4 पर अप्राथीगणों को जवाब पेश होने तक जोका एक रिपोर्ट को यथास्थिति बनाने शक्य है तब अप्राथी लिखे पत्रों से जांच किया जाता है तथा प्राथीगण के कब्जे काश्त आराजी में किसी भी प्रकार की दरलंदाजी न हो खंय हो और न ही अपने प्रतिनिधियों से करावे। प्रमाण दर्ज शजि रहर किया जावे तथा अप्राथीगणों को जरिये समान तलव भर पत्रोक्ती दिनांक 7/7/20 को पेश हो।</p>	
7/7/20	<p>को शीला सुकुमार आज पीठासीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रवल पूर्ववत् स्थिति में दिनांक 25/7/20 को पेश हो।</p> <p align="center">  न्यायालय उपखण्ड अधिकारी छबड़ा (बारां) </p>	

**उपखण्ड अधिकारी
छबड़ा जिला बारां (राज.)**

10.1.24

आप पीटारीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली पूर्ववत स्थिति में दिनांक 1.3.24 को पेश हो।

रीडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
छबड़ा (बारा)

आप पीटारीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली पूर्ववत स्थिति में दिनांक 9.4.24 को पेश हो।

9.4.24

रीडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
छबड़ा (बारा)

आप पीटारीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली पूर्ववत स्थिति में दिनांक 27.5.24 को पेश हो।

27-5.24

रीडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
छबड़ा (बारा)

आप पीटारीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली पूर्ववत स्थिति में दिनांक 9.7.24 को पेश हो।

9.7.24

पत्रावली पेश हुई। व कुलपत करीब 350 जवाब पेश नहीं हुआ। (रूप माता है। पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक 27.8.24 को पेश हो।

27.8.24

पत्रावली पेश हुई। कुलपत करीब 350 जवाब पेश नहीं हुआ। (रूप माता है। पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक 8.10.24 को पेश हो।

8.10.24

पत्रावली पेश हुई। कुलपत करीब 350 जवाब पेश नहीं हुआ। (रूप माता है। पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक 21.2.24 को पेश हो।

किस तरह पदकाराण के तहत प्रवि का इत्यादि नहीं
 हो जाय तब तक सहकारियों के विरुद्ध दावा नहीं
 लागू हो सकता। क्योंकि प्रत्येक स्वतंत्र मजदूर पर
 प्रत्येक कार्यवाही का विरुद्ध दावा ही उठाया जा सकता है
 कहा जा सकता है जागी जग की प्रति प्रतिफल व
 कहा पर ही ऐसी स्थिति है जागी का जागी पर
 मजदूरों को नहीं देते हैं क्योंकि किता जागी ही
 पत्रावली केवल सुधार केवल कास तभी ही तभी ही
 दखिले इत्यादि ही

(Handwritten signature)